B.Ed 2nd year
Course 11

NEEDS OF Health Education

Meaning of Health Education →

A/c to W.H.O = Health Education is concerned with impairing knowledge to the people about the principle of hygiene.

स्वास्थ्य शिक्षा लोगों को स्वास्थ्य के नियमों से परिचित करा देता है जिससे वे अपने स्वास्थ्य पर निर्भर हो कर ध्यान दे सके। शारीरिक स्वास्थ्य तथा मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा और विकास में स्वास्थ्य शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसके द्वारा हम अपने दैनिक जीवन में स्वास्थ्य सम्बंधी अनेक नियमों को जानते है और वे सारे नियम स्वंय पर, विद्यालय पर और समाज पर लागू कर के स्वंय का, समाज का अथवा राष्ट्र का विकास करते है

छात्रों को रोगों से बचाना, उनके स्वास्थ्य में वृद्धि करना, विद्यालय के वातावरण को शुद्ध बनाना आदि विषय स्वास्थ्य शिक्षा के अन्दर आते है।

देना चाहिए तभी विद्यालय के छात्रों का स्वास्थ्य अच्छा बना रहेगा

Health Education in School

बच्चों के स्वास्थ्य के लिए विद्यालय बहुत बड़ी भूमिका अदा करता है। ऐसा समझा गया है कि स्वस्थ शरीर में ही ~~स्व~~ स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। अगर बच्चे का स्वास्थ्य ठीक रहेगा तब ही बच्चे का मानसिक विकास, संज्ञानात्मक विकास और भावात्मक विकास होगा और तभी बालक स्वस्थ व सुंदर जीवन जी सकेगा

इसी लिए विद्यालय का दायित्व स्वास्थ्य की रक्षा तथा वृद्धि करना है यदि छात्रों का स्वस्थ अच्छा होगा तब ही उनकी mental capacity विकसित होगी। स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहने से बच्चों का शारीरिक विकास में बाधा पहुंचेगी ही उनका बौद्धिक और नैतिक विकास भी रुक जाएगा छात्र की आयु तो बढ़ेगी लेकिन उनके

सकती है जब बालक की स्वास्थ्य की रक्षा अभिभावक और शिक्षक मिलकर करें तब ही बालक समाज का प्रभावशाली अंग बन सकता है। अर्थात स्वास्थ्य शिक्षा न केवल बालक से ही जो विद्यालय में शिक्षण प्राप्त कर रहा है सम्बंध रखती है, बल्कि शिक्षक से भी सम्बंध रखती है जो शिक्षण क्रिया का महत्व पूर्ण साधन है।

व्यक्तित्व के गुण कम होते चले जाएगा और छात्र अपना सामाजिक और नैतिक कर्तव्य नही निभा सकेगें।

Importance of health in life →

आधुनिक युग में बालक के शारीरिक या मानसिक विकास पर बल नही दिया जाता बल्कि बालक के सर्वांगीण विकास की बात की जाती है और सर्वांगीण विकास बिना स्वास्थ्य शिक्षा दिए नही आ सकती है। बच्चे का स्वास्थ्य छात्रों के वर्तमान तथा भावी व्यस्क जीवन दोनों के विचार से महत्वपूर्ण है। केवल शरीर के सधार वे व्यस्क होने पर वे अपनी आर्थिक, व समाजिक और नैतिक जिम्मेदारियां नही निभा पाएगें। बालक की स्वास्थ्य शिक्षा का दायित्व केवल उनके अभिभावक पर छोड़ देने से बालक के मानसिक विकास में बाधा उत्पन्न हो सकती है इसलिए विद्यालय और शिक्षा की भूमिका बहुत अहम है इस प्रकार शिक्षा के सभी उद्देश्यों की पूर्ती तभी हो

August
Monday

इसे प्रमुख स्वास्थ्य शिक्षा के अंतर्गत विभिन्न विषयों को सम्मिलित किया जा सकता है

1 विद्यालय भवन की सफाई
2 विद्यालय के निकट का वातावरण
3. प्रकाश तथा वायु का प्रबंध
4. जल की व्यवस्था
5 छात्रों को बैठने के लिए फर्नीचर की समुचित व्यवस्था
6. छात्रों का व्यक्तिगत स्वास्थ्य
7. छात्रों का शारीरिक दोष तथा मानसिक मोजन पर ध्यान दिया जाना
8. संक्रामक रोग तथा उसके उपर नियन्त्रण
9 विद्यालय में खेल कूद तथा स्वस्थ्य मनोरंजन की समुचित व्यवस्था करना

विद्यालय तथा शिक्षकों को उल्लेखित बिन्दुओं पर समुचित ध्यान